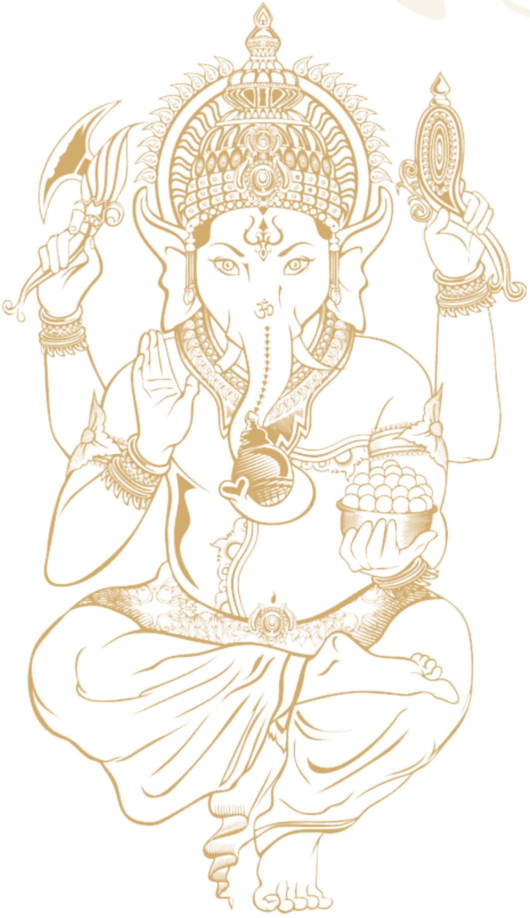

Rathi

02 Oct 1990

07:30 AM

Howrah

Model: web-freekundliweb

Order No: 121095806

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/10/1990**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**07:30:00 घंटे**
इष्ट	05:03:52 घटी
स्थान	**Howrah**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	22:35:00 उत्तर
रेखांश	88:20:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:23:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:53:20 घंटे
वेलान्तर	00:10:30 घंटे
साम्पातिक काल	08:35:28 घंटे
सूर्योदय	05:28:27 घंटे
सूर्यास्त	17:23:33 घंटे
दिनमान	11:55:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	14:53:49 कन्या
लग्न के अंश	11:46:09 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शूल
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सा-सात्विक
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	11:46:09	323:20:50	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			कन्या	14:53:49	00:59:00	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	सम राशि
चंद्र			कुंभ	13:10:57	13:36:29	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
मंगल			वृष	18:26:12	00:14:36	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	सम राशि
बुध			कन्या	00:05:52	01:37:46	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	उच्च राशि
गुरु			कर्क	14:44:37	00:09:27	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	उच्च राशि
शुक्र			कन्या	06:59:05	01:14:49	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	नीच राशि
शनि			धनु	25:02:16	00:00:53	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
राहु	व		मक	11:37:55	00:05:02	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	11:37:55	00:05:02	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			धनु	11:59:49	00:00:53	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
नेप			धनु	18:05:06	00:00:17	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	---
प्लूटो			तुला	22:28:38	00:02:01	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
दशम भाव			कर्क	12:45:05	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:54

लग्न-चलित

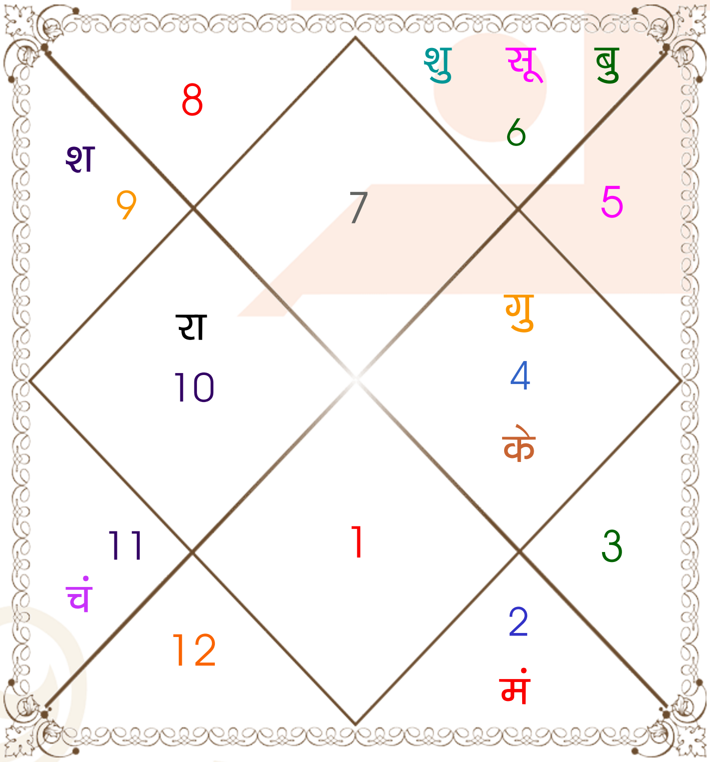

चन्द्र कुंडली

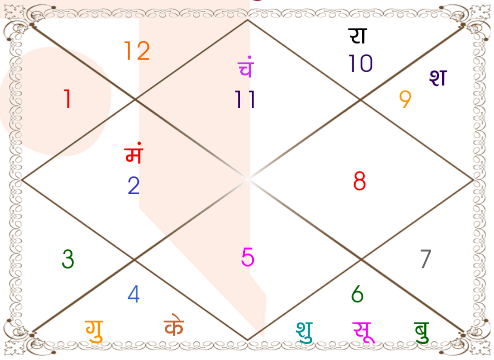

नवमांश कुंडली

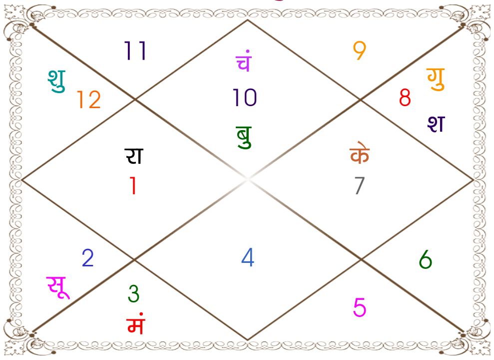

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 9 वर्ष 2 मास 13 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
02/10/1990		15/12/1999		15/12/2015		15/12/2034		15/12/2051	
15/12/1999		15/12/2015		15/12/2034		15/12/2051		15/12/2058	
	00/00/0000	गुरु	02/02/2002	शनि	18/12/2018	बुध	13/05/2037	केतु	13/05/2052
	00/00/0000	शनि	15/08/2004	बुध	27/08/2021	केतु	10/05/2038	शुक्र	13/07/2053
	02/10/1990	बुध	21/11/2006	केतु	06/10/2022	शुक्र	10/03/2041	सूर्य	18/11/2053
बुध	15/06/1992	केतु	28/10/2007	शुक्र	06/12/2025	सूर्य	14/01/2042	चंद्र	19/06/2054
केतु	04/07/1993	शुक्र	28/06/2010	सूर्य	18/11/2026	चंद्र	16/06/2043	मंगल	15/11/2054
शुक्र	03/07/1996	सूर्य	16/04/2011	चंद्र	18/06/2028	मंगल	12/06/2044	राहु	03/12/2055
सूर्य	28/05/1997	चंद्र	15/08/2012	मंगल	28/07/2029	राहु	30/12/2046	गुरु	08/11/2056
चंद्र	27/11/1998	मंगल	22/07/2013	राहु	03/06/2032	गुरु	06/04/2049	शनि	18/12/2057
मंगल	15/12/1999	राहु	15/12/2015	गुरु	15/12/2034	शनि	15/12/2051	बुध	15/12/2058

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
15/12/2058		15/12/2078		15/12/2084		15/12/2094		16/12/2101	
15/12/2078		15/12/2084		15/12/2094		16/12/2101		00/00/0000	
शुक्र	16/04/2062	सूर्य	04/04/2079	चंद्र	15/10/2085	मंगल	13/05/2095	राहु	28/08/2104
सूर्य	16/04/2063	चंद्र	03/10/2079	मंगल	16/05/2086	राहु	31/05/2096	गुरु	22/01/2107
चंद्र	15/12/2064	मंगल	08/02/2080	राहु	15/11/2087	गुरु	07/05/2097	शनि	28/11/2109
मंगल	14/02/2066	राहु	02/01/2081	गुरु	16/03/2089	शनि	16/06/2098	बुध	03/10/2110
राहु	14/02/2069	गुरु	21/10/2081	शनि	15/10/2090	बुध	13/06/2099		00/00/0000
गुरु	16/10/2071	शनि	03/10/2082	बुध	16/03/2092	केतु	09/11/2099		00/00/0000
शनि	15/12/2074	बुध	10/08/2083	केतु	15/10/2092	शुक्र	09/01/2101		00/00/0000
बुध	15/10/2077	केतु	15/12/2083	शुक्र	16/06/2094	सूर्य	17/05/2101		00/00/0000
केतु	15/12/2078	शुक्र	15/12/2084	सूर्य	15/12/2094	चंद्र	16/12/2101		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 9 वर्ष 1 मा 18 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।